नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में

नैशनल मिल्क डे – 2018 कार्यक्रम का आयोजन

आज दिनांक 26/11/2018 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के सभागार में नैशनल मिल्क डे मनाया गया। भारत सरकार 26 नवम्बर को नैशनल मिल्क डे के रूप में स्थापित किया है। जो कि विश्वविख्यात डॉ. वर्गीस कुरियन जिन्हे स्वेत क्रांति के जनक के नाम से जाना जाता है इनका जन्मदिन मनाते हुये विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भारत में दुग्ध उत्पादन और उसकी गुणवत्ता पर प्रकाश डाला जैसा कि भारत दुनिया का सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन करने वाला देश है मगर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मापदण्डों के अनुसार इसका उत्पादन विश्व के कुछ ही चुनिंदा देशों में होता है। देश में लगभग प्रतिव्यक्ति दूध की मात्रा 280 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन आवश्यक होती है मगर हमारे देश में इसकी खपत 352 ग्राम प्रतिदिन प्रति व्यक्ति है तथा सिंथेटिक मिल्क उत्पादन के कारण हम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वह स्थान नही प्राप्त कर सके जिसके लिये हम हकदार है। म.प्र. में पशुधन सर्वाधिकता होते हुये भी हम दुग्ध उत्पादन में उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान से पीछे है, साथ ही साथ क्वालिटी मिल्क उत्पादन में हमारा स्थान आठवॉ है ऐंसी दशा में विश्वविद्यालय के अनुसंधान कार्यो को इस ओर प्रोत्साहित करने के लिए मुख्य अतिथि की आसंदि से बोलते हुये कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने कहा कि इस विश्वविद्यालय को संस्कारधानी में जिन मूलभूत उद्देश्यों को लेकर स्थापित किया गया है उसमें से दुग्ध उत्पादन महत्वपूर्ण है। डॉ. कुरियन के योगदान का स्मरण करते हुये उन्होने कहा कि गुजरात में मंथन नामक संस्था से शुरूआत कर आपरेशन फ्लड और दुग्ध क्रांति के प्रणेता के किये गये भागीरथी प्रयास को अंगीकार करते हुये हमें भी अपने विश्वविद्यालय में स्वच्छ दुग्ध उत्पादन, उसके रखरखाव तथा उससे बनने वाले विभिन्न प्रकार के पोषक उत्पाद संबंधी अनुसंधान किये जाने चाहिये ताकि म.प्र. सरकार की मंशानुसार किसानों की आय दोगुनी किये जाने हेतु सार्थक कदम उठाये जा सके। उन्होने आगे बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के अंतर्गत डेरी सांइस कालेज खोले जाने का प्रस्ताव म.प्र. सरकार को भेजा गया है जो जल्द ही विश्वविद्यालय को प्राप्त होगा ऐसी संभावना व्यक्त की। इस अवसर पर डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षण एवं डॉ. सरलिन तोमर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता संकाय डॉ. एस.एन.एस. परमार, अधिष्ठाता डॉ. आर.पी.एस. बघेल, डॉ., डॉ. जोशी, डॉ. वर्षा शर्मा, डॉ. आर.के. शर्मा, डॉ. जी. दास, डॉ. के.पी. सिंह, आदि उपस्थित थे। डॉ. सिमरनजीत कौर ने कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शित किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर